agreed to cooperate with each other, in the first instance, for the upgradation of the Tamu-Kalemyo Road, along the Indo-Myanmar border across Manipur.

The Myanmar Government, have agreed in principle to the opening up of other border points as may be notified by mutual agreement after the smooth functioning of the Moreh-Tamu border point comes into effect.

There are, therefore, no existing plans to use the Stilwell road, most of which runs within Myanmar.

भारत और पाकिस्तान के बीच व्यापार

2333. **प्रो. रामगोपाल यादव** :

श्री ईश दत्त यादव :

क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या भारत और पाकिस्तान के बीच व्यापार और वाणिज्यिक सहयोग बढ़ाने के संबंध में कोई बातचीत हुई थी;

(ख) यदि हां, तो उसके क्या परिणाम निकले हैं;

(ग) क्या इस बातचीत के बावजूद पाकिस्तान अनेक सामान अन्य देशों से खरीद रहा है;

(घ) यदि हां, तो उन वस्तुओं के नाम क्या हैं और इसके क्या कारण हैं; और

(ड.) सरकार भारत और पाकिस्तान के बीच व्यापार और वाणिज्यिक सहयोग बढ़ाने को सुनिश्चित करने के लिए क्या कदम उठाने पर विचार कर रही है?

वाणिज्य मंत्री (श्री रामकृष्ण हेगड़े) : (क) जी, हां।

(ख) भारत और पाकिस्तान के बीच आर्थिक और वाणिज्यिक सहयोग पर वाणिज्य सचिव स्तर की वार्ताएं 10 नवम्बर, 98 को नई दिल्ली में आयोजित की गई थी। दोनों पक्षों अर्थात् भारत और पाकिस्तान ने द्विपक्षीय व्यापार को प्रभावित करने वाले मुद्दों पर विचारो का आदान-प्रदान किया। सहयोग के दायरे को बढ़ाने के उद्देश्य से अनेक कदम उठाए जो पर वचार-विमर्श किया गया था। अन्य बातो के साथ-साथ भारतीय शिष्टमंडल ने इस बात का उल्लेख किया कि हालांकि भारत पाकिस्तान को 1970 के दशक से परम मित्र राष्ट्र (एम.एफ.एन.) का दर्जा पहले ही दे चुका हैं किन्तु पाकिस्तान को गेट/डब्ल्यू टी.ओ. के तहत अपने दायित्वों के अनुसार भारत को वही दर्जा अभी दिया जाना हैं। पाकिस्तान के शिष्टमंडल ने भरोसा दिलाया कि वे "यथासमय" अपने दायित्व को पूरा करेंगे। विचार-विमर्शो के दौरान इस बात पर सहमति हुई कि भारत और पाकिस्तान के रेलवे और विद्युत संबंधी तकनीकी दल इन क्षेत्रों में विस्तृत विचार-विमर्शो के लिए बैठक करेंगे। दोनों पक्ष समान दृष्टिकोण अपनाने के लिए सामजिक खण्ड और पर्यावरण आदि से संबंधित मुद्दों पर नियमित सलाह-मशविरा करने के लिए सहमत हुए।

(ग) और (घ) पाकिस्तान ने इस समय भारत से केवल 594 मदों के आयात की ही अनुमति दी हैं जिनमें ताजी सब्जियां, दालें, कॉफी, चाय, मसाले, तिलहन, खाद्य वनस्पति तेल, सोयाबीन-खाद्य, अकार्बनिक और कार्बनिक रसायन, भेषजीय, कच्ची सामग्रियां,टायर और ट्यूब, सूत और सूती धागा, कच्चा या प्रसंस्कृत जूट, अपरिष्कृत/कतरन धातुएं, धातु और इसकी वस्तुएं, इंजीनियरी और मशनरी की वस्तुएं आदि शमिल हैं। विचार-विमर्शो के दौरान भारतीय शिष्टमंडल ने सुझाव दिया कि भारत से आयात की जाने वाली वस्तुओं की सूची को बढ़ाया जाए। अब तक भारत से आयात करने योग्य मदों की उनकी सूची में कोई इजाफा नहीं हुआ है।

(ड.) सरकार का यह प्रयत्न रहेगा कि दोनों देशों के बीच व्यापार और वाणिज्यिक सहयोग को बढ़ावा देने और व्यापारिक शिष्टमंडलों को भेजकर व बुलाकर और व्यापार मेलों आदि में भाग लेकर पाकिस्तान के साथ संवाद-प्रक्रिया जारी बनी रहे।

Export and Import of Foodgrains

2334. SHRI SOLIPETA RAMACHANDRA REDDY:
SHRI K.M. SAIFULLAH:

Will the Minister of COMMERCE be pleased to state:

(a) the details of the foodgrains which can be imported/exported; and

(b) the basis on which the decision regarding their export and import have been taken by Government?

THE MINISTER OF COMMERCE (SHRI RAMAKRISHNA HEGDE): (a) Details are given as per Statement *(See* below).